रक्षा परीक्षण बुनियादी सुविधा को यूपीडा व रक्षा मंत्रालय में करार

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: रक्षा परीक्षण बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए यूपीडा और रक्षा मंत्रालय के बीच मंगलवार को नई दिल्ली में अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव शलभ त्यागी और यूपीडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीहरि प्रताप शाही के बीच एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। उप्र रक्षा औद्योगिक गलियारे में मानव रहित हवाई प्रणाली, संचार और यांत्रिक के लिए परीक्षण सुविधाएं स्थापित करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। समझौते के तहत, लखनऊ में एक व कानपुर में दो केंद्र बनेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मई-2020 में 400 करोड़ रुपये की रक्षा

● नई दिल्ली में यूपीडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने किए समझौते पर हस्ताक्षर

परीक्षण अवसंरचना योजना का शुभारंभ किया था, जिसका उद्देश्य निजी उद्योग और केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से अत्याधुनिक परीक्षण सुविधाएं शुरू करना है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देना और रक्षा आयात को कम करते हुए आत्मनिर्भरता की तरफ आगे बढ़ने के लिए इस दिशा में प्रयास शुरू किए गए हैं। है। रक्षा औद्योगिक गलियारों के तहत रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए सात परीक्षण सुविधाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से चार तमिलनाडु में और तीन यूपी के लिए हैं।

पूर्वांचल व बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर बनेंगे ई-वे हब

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ : पूर्वांचल व बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर ई-वे सेवाओं के विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। यूपीडा ने इस क्रम में कुल 12 स्थानों को चिन्हित कर उनके विकास का खाका खींचा है।

यूपीडा की कार्ययोजना के अनुसार, ई-वे हब में दुकानें, बजट होटल, ढाबा, फूड कोर्ट, थीम पार्क, रिजार्ट, बैंक्वेट व वेडिंग हाल, वेयरहाउस, आटोमोबाइल शोरूम व वर्कशाप जैसी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। यूपीडा ने इन सुविधाओं के विकास के लिए आवेदन मांगे हैं। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे चित्रकूट से शुरू होकर बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन व औरैया को इटावा में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से जोड़ता है।

यहां कुल चार स्थलों का ई-वे हब के तौर पर विकास किया जाएगा। वहीं, 340.84 किमी लंबा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे लखनऊ से शुरू होकर बाराबंकी, अयोध्या, अमेठी, सुलतानपुर, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ होते हुए गाजीपुर जिले में जाकर खत्म होता है। इस एक्सप्रेसवे पर यूपीडा की योजना अनुसार कुल आठ स्थलों को ई-वे हब के तौर पर विकसित किया जाएगा। दोनों ही एक्सप्रेस में विकसित होने वाले 12 ई-वे हब में कुल 120 भूखंड का आवंटन किया जाएगा। इन भूखंडों को 30 वर्षों की लीज पर दिया जाएगा जिसे आगे 15 वर्षों की अवधि तक बढ़ाया जा सकता है। इनमें से तीन भूखंड 5,660 वर्ग मीटर के है।

***